Anand
DATE :
PAGE NO. :

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं 10 दिनांक 20/05/2021

ZOOM0013 स्थान- बाड़नावा-चारणान् लखे की ढाणी

कलाकार का नाम – (ईदुखाँ) गायन / वादन

पिता का नाम – आकु खां

पता → गाव बाड़नावा -चारणान् ते० पचपदरा जिला बाड़मेर

सहायक कलाकार

1 ट्रेक समयावधि - 45.34. मिनट

2

ऑडियो रिकॉर्डिंग का समय

विषय – (कथा) जगदेव पवार

विशेष - विवरण

विशेष-विवरण - यह पोराणिक कथा जगदे पवार के जीवन से जुड़ी हुई है बात उस समय की है जब राजा हरिश सिंह शिकार पर गये हुए थे। उस समय उसने पानी में इन्द्र राजा का सात परियों का समूह देखा और वहा एक चाँदी-या सोने के हिरण को भी देखा तो वह उसको पकड़ने के लिए पानी में जाता है। तो छः परियों आसमान में उड़ जाती है और एक ~~मेह~~ मेहर परि नहीं उड़ पाती है और उसका कपड़ा उससे घुल-मिल जाता है। वो मेहर परि को बारह साल का निकाला दिया जाता है। फिर मेहर परि राजा हरीश सिंह से विवाह करती है।

और अपने महल में हरीश सिंह उसे लेकर आता है। तो मेहर परि को सन्तान की आस रह जाती है। ये खबर महल में आग की तरह फैल जाती है। तो दूसरी रानियोंको अच्छा नहीं लगता है। मेहर रानी ने हरीश सिंह से केह रखा था कि बिना खेंगारा किये मेरे कमरे में कभी मत आना। फिर मेहर परि के हाने वाले बच्चे के लिए जोदियो से भेद खोलाये गये तो उन्होने बताया ये बच्चा पुरी धरती पर राज करेगा इतना अच्छा इसका भविष्य है।

तो दुसरी तरफ इस बच्चे को धरती पर नहीं देखने के लिए रानियों ने मरिमली दुतियों को बोलाया तो दुतियों ने जादू टोना किया और कहा इस टोने को एक मटके में डालकर जमीन में गार दिया जाये। जब तक ये मटका नहीं टुटेगा मेहर रानी का बच्चा जन्म नहीं लेगा। मेहर रानी के नौ महीने पुरी हो गये लेकिन बच्चा अब-तक नहीं जन्म पाया था। धीरे-धीरे समय बीतता गया अब 10-12 महीने हो गये बच्चा जन्म नहीं ले पाया।

अब मेहर रानी सोच में पड़ गई 12 महीने हो गये बच्चा पैदा क्यों नहीं हो रहा है। समय बीतता जा रहा था। ऐसे पांच साल गुजर गये बच्चा अब भी गर्भ के अन्दर ही था मेहर परि ने राजा हरीश सिंह से कहा पांच साल हो गये। बच्चा अब भी मेरे गर्भ में ही है। आप कुछ कीजिए नहीं तो में मर जाऊगी। तो राजा हरीश सिंह भी दुतियों के पास जाता है। और उसी दुती को लाता है जिसने उस पर टोना कियाथा।

तो वह केहती है कि ये टोना मेने ही किया था। अब जैसा मै आपको केहती हूँ आप वैसा ही करना, आप गांव में जाओ और किसी नव जात शिशु को लेकर आओ वो दासिया शिशु को उठा कर दुति के पास लाती है। जैसे ही सुबह होती है वह थाली बजाती है तो थाली की आवाज पुरे महल में गुजती है। मेहर परि के कमरे से बच्चे की रोने की आवाज आती है। तो टोना करने वाली रानियों को बहुत बुरा लगता है। और अपने द्वारा किये हुए हुए टोने को तोड़ देती है।

जैसे ही वह टोना तोड़ती है। तो मेहर परि को पुरे पांच साल बाद पुत्र जगदेव पवार की प्राप्ती होती है। राजा ~~हर~~ हरीश सिंह को बहुत खुशी होती है। धीरे- धीरे जगदेव पवार बड़ा होता है एक दिन अचानक राजा हरीश सिंह बिना खेगारा किये मेहर परि के कमरे में चला जाता है, तो देखता है। कि एक शेरनी अपने बच्चे दुध पिला रही होती है। ये देखकर राजा हरीश सिंह हक्का-बक्का रह जाता है। तो शेरनी बोलती है कि तेरा मेरा वचन पुरा हो गया है। अपना साथ यही तक था।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

और केहती है मेरा मे बच्चा में तुमे छोड़ कर जा रही हूं ख्याल रखना। एक दिन जगदेव पवार और उनके दो अन्य भाई गेंद से खेल रहे थे। अचानक गेंद रानी के कमरे में चली जाती है। तो उनके भाई केहते है जगदेव पवार आप जावो और गेंद लेकर आओ। जैसे ही वह गेंद लेने जाता है। तो उसकी मासी (दुसरी रानी) अपने कपड़े फाड़ कर राजा से उसकी सिकायत करती है और केहती है कि आप आपके लाडले ने मेरी इजत लूटने का प्रयास किया है।

अब इस महल में या तो ये रहेगा या मे रहुंगी फैसला आपके हाथ में है। राजा जगदेव पवार को 12 साल का देश निकाला दे देता है। तो जगदेव पवार वहां से उजेयन नगरी शहर चला जाता है। और वहा सिद्ध राजा सोलंकी के यहां नौकरी पें रह जाता है। सिद्ध राजा सोलन्की के पिलन्ग के नीचे काले भैरु का छाया होता है। काला भैरु उससे अपने मन चाहा काम करवाता है।

एक दिन जगदेव पवार ने सिद्ध राजा सोलंकी से कहा की ऐसी क्या बात है जो आप मुझसे छुपा रहे हो किस बात की चिन्ता आपको खाये जा रही है। तो सिद्ध राजा सोलन्की उसे बताता है कि काला भैरु मुझे चैन से रहने नहीं देता है इसी बात की मुझे चिन्ता है। जगदेव पवार ने कहा बस इतनी सी बात है। आज आप उस भैरु से बोलना की तुझे मेरे एक आदमी से मुकाबला करना होगा।

जब हम दोनो लड़ रहे होगें उस समय आपको तीन बार मुझे मेरा नाम लेकर पुकार ना है, वाह जगदेव पवार वाह जगदेव पवार वाह जगदेव पवार, राजा ने कहा ठीक है। काले भैरु की माँ ने उससे बोल रखा था कि जगदेव पवार से बचकर रहना। सुबह होती है तो दोनो का मुकाबला शुरु हो जाता है। काफी देर तक लड़ते रहते है कुछ समय बाद राजा बोलते है वाह जगदेव पवार, 3 बार बोलते है तो काला भैरु ठण्डा पड़ जाता है और जगदेव पवार उसे खत्म कर देता है।